

विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी ,वर्ग -पंचम,विषय -हिंदी व्याकरण,

दिनांक-07-06-2021 एन.सी.ई.आर..टी पर आधारित

पाठ-4 संज्ञा

सुप्रभात बच्चों,

पिछले कक्षा में संज्ञा, व्यक्तिवाचक और जातिवाचक के बारे में बताया गया। आज आपको भाववाचक संज्ञा के बारे में जानना है-

भाववाचक संज्ञा--जिस संज्ञा शब्द से किसी प्राणी अथवा पदार्थ की दशा, अवस्था, भाव,आदि का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-बुराई से बचो। सच्चाई और ईमानदारी की राह पर चलो। यहां बुराई ,सच्चाई, ईमानदारी गुण या भाव प्रकट कर रहे हैं। अतः ये भाववाचक संज्ञाएं हैं।

*कुछ अन्य उदाहरण—

मधुरता, नेकी, बुढ़ापा, बचपन, खुशी, क्रोध, ऊंचाई, कायरता, वीरता आदि।

भाववाचक संज्ञा बनाना

जातिवाचक संज्ञा, विशेषण ,सर्वनाम, क्रिया तथा अव्यय से भाववाचक संज्ञाएं बनाई जाती हैं।

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन	लड़का	लड़कपन
बूढ़ा	बुढ़ापा	बाल	बालपन
सेवक	सेवा	पुरुष	पुरुषत्व
बालक	बालकपन	शिशु	शैशव
मित्र	मित्रता	शत्रु	शत्रुता
मानव	मानवता	वीर	वीरता

गृहकार्य-

दी ,गई अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

